इस्पात उपभोक्ताओं का वर्गीकरण

4546. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने इस्पात उपभोक्ताओं को दो वर्गों अर्थात् प्रमुख उपभोक्ताओं (की कस्टमर्स) तथा साधारण उपभोक्ताओं (आर्डीनरी कस्टमर्स) में विभाजित किया है ;

(ख) यदि हां, तो इन दोनों प्रकार के उपभोक्ताओं के निर्धारण के लिये किन-किन मानदंडों का पालन किया जाता है ;

(ग) इस्पात उद्योग किस उपभोक्ता वर्ग के अन्तर्गत आता है ; और

(घ) "प्रमुख उपभोक्ताओं" तथा साधारण उपभोक्ताओं को कौन-कौन सी सुविधायें उपलब्ध कराई गई है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) जी, नहीं ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठते ।

हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के मुख्यालय का स्थानांतरण

4547. **श्री अजीत जोगी** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंसट्रक्शन लिमिटेड के मुख्यालय को कलकत्ता से किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किये जाने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) इसके मुख्यालय को कहां स्थानांतरित किया जा रहा है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते ।

Production of steel by the Rourkela Plant

4548. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the finished steel and products worth crores of Rupees, produced by the Rourkela Steel Plant, have remained piled up in different stockyard of the Steel Authority of India;

(b) if so, what are the reasons therefor; and

(c) what is the exact cost of the piled up stocks?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) There has been a general slowdown in the activities of major steel consuming sectors like automobile, capital goods and consumer durables during 1992-93 which has affected the demand for steel adversely. This, coupled with cut in Government expenditures particularly in new projects has contributed to the slackness in demand for steel. The shortfall in demand compared to easy availability supplemented by import liberalisation has led to some inventory accumulation at the plants and stockyards of SAIL.

Due to tight money market, the customers are also averse to carrying any inventory of raw materials with them and only procure their immediate requirements of steel from the producers.

Rourkela Steel Plant stocks which comprised around 25 per cent of the total stocks of SAIL as on 1.4.1993 has subsequently come down to 23 per cent as on 1.8.1993.

(c) The total average value of stocks of RSP materials is estimated approximately at Rs. 250 crores as on 1.8.1993.